केवल आप के लिये

गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम

सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com

मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती

www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क

मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 16 रविवार 4 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

वायनाड में 206 अभी भी लापता

वायनाड (आभा)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को कहा कि आपदा प्रभावित वायनाड में तलाश और बचाव अभियान अपने अंतिम चरण में है, लेकिन 206 लोग अब भी लापता हैं। विजयन ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि चलियार नदी से बरामद शवों और मानव अंगों की पहचान करने में समस्या है। उन्होंने कहा, श्ववायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों से अब तक 215 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें 87 महिलाएं, 98 पुरुष और 30 बच्चे शामिल हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 67 शवों की अभी पहचान नहीं हो पाई है और पंचायतें उनका अंतिम संस्कार करेंगी। विजयन ने बताया कि एक सुरक्षित क्षेत्र की पहचान की जाएगी और वहां एक टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थानाक्षेत्र के कसैला गांव निवासी युवक को विदेश भेजने के नाम पर उसके साथ दो लाख रुपये की ठगी किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने पीड़ित अरुण कुमार निवासी कसैला थाना नगर की तहरीर पर पुलिस ने रूपचन्द्र निवासी बक्सर के खिलाफ ठगी का केस दर्ज कर घटना की जांच–पड़ताल शुरु कर दी है।

पीड़ित ने अपनी तहरीर में बताया कि उसे दुबई भेजने के नाम पर पहले एक लाख कैश, फिर 77 हजार रूपये ऑनलाइल उसके बाद घर आकर रूपचंद ने 23 हजार ले लिया। एक महीने के टूरिस्ट वीजा दुबई भेज दिया कहा कि अगले महीने नियमित वीजा दे दिया जाएगा। उसके बाद फर्जी वीजा उसे दे दिया गया। पीड़ित को इसकी वजह से दुबई में जुर्माना भरना पड़ा। जब वह भारत वापस आया तो उल्टे फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी देने लगा।

समितियों पर नहीं है खाद, किसान परेशान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। खरीफ की फसल जैसे धान एवं अन्य तथा गन्ना मे इस समय किसान को बुआई हेतु यूरिया उर्वरक हेतु किसानो मे हाहाकार मचा हुआ है। कप्तानगंज विकासखण्ड के साधन सहकारी समिति नैकापार, साधन सहकारी समिति बिशनपुर पूरे सत्र मे किसी प्रकार का कोई उर्वरक किसान को नहीं दे पाया। साधन सहकारी समिति कप्तानगंज साधन सहकारी समिति महाराजगंज को यूरिया की एक खेप प्राप्त हुई थी जो किसानो के लिए अपर्याप्त थी। आए दिन क्षेत्रीय किसान समितियां का चक्कर लगाकर अपने घर लौट जाते हैं । खेमराजपुर निवासी किसान राजेश कुमार पांडे बताते हैं कि उनकी गन्ना तथा धान की फसल में यूरिया नितांत आवश्यक है परंतु समितियों से इस समय यूरिया खाद न मिलने से फसल खराब हो जा रही है। सेण्ठा के किसान राजेंद्र भी नित्य यूरिया के लिए समिति का चक्कर लगा रहे है। इस संबंध मे ए आर कोऑपरेटिव से बात की गई तो उन्हों ने स्वीकार किया कि इस समय समितियां ड्राई है । इसी सप्ताह मे यूरिया की रैक आने की उम्मीद है। रैक आने पर शीघ्रता से समितियों को यूरिया आवंटित कर दिया जाएगा। सूत्र बताते हैं कि साधन सहकारी बैंक की शाखाएं सप्ताह में केवल दो–तीन दिन ही खुलता है ऐसे में यह बैंक समय से धन का आरटीजीएस तक नहीं कर पाता और समितियां समय से खाद का पैसा नहीं जमा कर पा रही हैं जिसके कारण समितियां को ना खाद मिल पा रहा है और न किसानों को समय से खाद उपलब्ध हो पाता और व्यवसाय लगभग बंद पड़ा है।

अयोध्या रेप मामले में गरमाई राजनीति, अखिलेश यादव ने किया डीएनए टेस्ट की मांग, मायावती ने कहा सख्त कार्रवाई हो

लखनऊ (आभा)। अयोध्या रेप केस मामले में सियासत तेज हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने डीएनए टेस्ट की मांग कर दी। वहीं, अखिलेश के इस मांग पर मायावती भड़क गई हैं। अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है उनका डीएनए टेस्ट कराकर इंसाफ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत की जाए। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी हो उसे कानून के हिसाब से पूरी सजा दी जाए, लेकिन अगर क्छ। डीएनए टेस्ट के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए। यही न्याय की माँग है।

वहीं, मायावती ने लिखा कि यूपी सरकार द्वारा अयोध्या गैंगरेप केस में आरोपी के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्रवाई उचित, लेकिन सपा द्वारा यह कहना कि आरोपी का डीएनए टेस्ट होना चाहिये, इसे क्या समझा जाए। जबकि सपा को यह भी बताना चाहिए कि उनकी सरकार में ऐसे आरोपियों के खिलाफ कितने डीएनए टेस्ट हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, यूपी में अपराध नियंत्रण व कानून–व्यवस्था में भी खासकर महिला सुरक्षा व उत्पीड़न आदि को लेकर बढ़ती चिन्ताओं के बीच अयोध्या व लखनऊ आदि की घटनाएं अति–दुखद व चिन्तित करने वाली हैं। सरकार इनके निवारण के लिए जाति–बिरादरी एवं राजनीति से ऊपर उठकर सख्त कदम उठाए तो बेहतर।

राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद और यूपी सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल 12 वर्षीय लड़की के परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए रविवार को अयोध्या पहुंचेगा, जिसके साथ समाजवादी पार्टी के एक सदस्य सहित दो लोगों द्वारा कथित तौर पर बलात्कार किया गया था। वे पूरे मामले की रिपोर्ट भी पार्टी नेतृत्व को सौंपेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी।

बुनियादी सवालों को लेकर गरजे कांग्रेसी, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सड़क, बिजली सहित बुनियादी मुद्दों को लेकर कांग्रेसियों ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। राज्यपाल को सम्बोधित 5 सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपते हुये सरकारी घोषणा के अनुसार विद्युत आपूर्ति देने की मांग की। पूर्व विधायक अंबिका सिंह ने कहा सरकार खुद के द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार बिजली नही दे पा रही है। लच्छेदार बातों और कांगजी घोषणा से जनता को राहत नही मिलने वाला है।

जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा मोहल्लों में बांस बल्लियों पर ले जाये गये बिजली के तार मकड़ी के जाल जैसे उलझे हैं जो पैदल या बाइक सवारों को छूकर निकलते हैं। मोहल्लों में साफ सफाई का भी बुरा हाल है। राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में बिजली कटौती रोकने और घोषणा के मुताबिक शहर व गांव को बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित कराने, मालवीय मार्ग को गड्ढामुक्त करने, मोहल्लें में बिजली के बेतरतीब तारों को व्यवस्थित कर खम्भों से सप्लाई दिये जाने, मोहल्लों की साफ सफाई नियमित सुनिश्चित किये जाने, शहरी क्षेत्र की सड़कों पर पथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था किये जाने की मांग की गई है।

ज्ञापन व प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रवक्ता मो. रफीक खां, अनिरूद्ध त्रिपाठी, शकुन्तला देवी, देवी प्रसाद पाण्डेय, महेन्द्र श्रीवास्तव, विश्वनाथ चौधरी, जयंत चौधरी, गंगा प्रसाद मिश्रा, दूधनाथ पटेल, राजबहादुर निषाद, डीएम शास्त्री, ज्ञानप्रकाश पाण्डेय, मुकुल प्रताप नारायण पाण्डेय, लालजीत पहलवान, नीलम विश्वकर्मा, विनोदरानी आहूजा, शौकत अली नन्हू, अलीम अख्तर, लक्ष्मी यादव, अशोक श्रीवास्तव, जितेन्द्र चौधरी, सुनील पाण्डेय, दिलीप श्रीवास्तव, बृजेश कुमार पाण्डेय, सर्वेश शुक्ल, हरिश्चन्द्र शुक्ल, डा. वाहिद, सलाउद्दीन, साधू पाण्डेय, अखिलेश साहनी, इंजी. चन्द्रशेखर वर्मा, सुधीर यादव, रामधीरज चौधरी, हेमन्त कुमार, अशोक पाण्डेय, राजेश भारती, राधा देवी, संजीव त्रिपाठी, विजय प्रकाश पाण्डेय, इम्तियाज, रामप्रीत पासवान, चन्द्रेश कुमार, मनीष श्रीवास्तव, राजन प्रजापति,अमित कुमार, रामबचन भारती, बबलू गुप्ता, अजय प्रताप सिंह, जगदीश शर्मा, परवेज अहमद, चन्द्रपकाश पाठक, अमरबहादुर, कपिलदेव यादव, घनश्याम शुक्ल, राणा प्रताप सिंह, रमेश श्रीवास्तव, पप्पू चौधरी, यशराज के.के., उमेश चन्द्र त्रिपाठी, निशान्त श्रीवास्तव, रवीन्द्र कुमार चौधरी, अमित सिंह, अब्दुल रउफ, सत्यप्रकाश सिंह, झब्बर, संतराम, सोमनाथ संत, रोहित चौधरी, मनोज चौधरी, रामजी शर्मा, सीमा निषाद, शिवनारायण, शब्बीर अली सहित सैकड़ों कांग्रेसी मौजूद रहे।

निलंबित एआईजी ने अदालत में दामाद को गोलियों से भून डाला

चंडीगढ़ (आभा)। जिला कोर्ट में शनिवार को अंधाधुंध फायरिंग से सनसनी फैल गई। यहां पंजाब पुलिस के निलंबित एआईजी मलविंदर सिंह सिद्धू ने अपने दामाद हरप्रीत सिंह पर चार गोलियां चला दी। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दोनों परिवारों के बीच घरेलू विवाद चल रहा था। इसी मामले में दोनों पक्ष शनिवार को चंडीगढ़ फैमिली कोर्ट में पहुंचे थे। मृतक हरप्रीत सिंह कृषि विभाग में आईआरएस थे। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया।

हरप्रीत का काफी समय से पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। उनके बीच तलाक से पहले समझौते का मामला चंडीगढ़ जिला अदालत के मध्यस्थता केंद्र में चल रहा था। हरप्रीत की पत्नी इस समय विदेश में है और उसकी जगह उसके पिता मलविंदर सिंह सिद्धू अध्यक्षता केंद्र में सुनवाई के लिए पहुंचे। शनिवार को उनके मामले की तीसरी सुनवाई थी।

दुराचार का आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में हुए दुष्कर्म के मामले में पीड़िता के पिता के तहरीर पर शुक्रवार की रात में पाक्सों एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करके शनिवार को अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई ।

जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में 29 जुलाई दिन सोमवार की रात घर से अगवा करके युवती के साथ दुष्कर्म किया गया , इस योजनाबद्ध घटना में पाँच–सात लोगों का और नाम आ रहा है । पीड़िता के पिता ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि गांव का ही एक युवक 28 जुलाई की रात में उसकी बेटी को बिस्तर से उठा कर गांव से कुछ दूर सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया , तथा बेटी को बेहोशी की हालत में वह गांव से कुछ दूर लाकर रात में छोड़ दिया । सूचना पाकर परिजन द्वारा डायल 112 व स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दिया गया व पिता के तहरीर पोक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में शुक्रवार की रात एक नामजद वा अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है ।चौकी प्रभारी महादेवा अवनीश सिंह ने बताया कि एक अभियुक्त की गिरफ्तारी हो गई है तथा विधिक कार्यवाई की जा रही है ।

नजूल सम्पत्ति विधेयक को लेकर यूपी की राजनीति में सियासी घमासान तेज

लखनऊ (आभा)। नजूल सम्पत्ति विधेयक को लेकर सियासी घमासान मच गया है। दरअसल योगी सरकार ने विधानसभा में इस विधेयक को पास करा लिया लेकिन ये अब विधानपरिषद में फंस गया। भाजपा की सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) ने इस नजूल संपत्ति विधेयक पर विरोध जताते हुए कहा कि इसे बिना विचार विमर्श के जल्दबाजी में लाया गया है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने विधान परिषद में इसे प्रवर समिति में भेजने की मांग की। जिसके बाद विधानपरिषद के सभी सदस्यों ने इसे प्रवर समिति के पास भेजने का फैसला लिया। अब 2 महीने बाद समिति नजूल विधेयक पर अपनी रिपोर्ट सौपेंगी।

यूपी विधानसभा में बुधवार को विपक्ष के विरोध और वेल में प्रदर्शन के बीच नजूल संपत्ति विधेयक 2024 पारित हो गया। विपक्ष के विधायकों ने विधेयक के नियमों पर कड़ा ऐतराज जताया था। वहीं, सियासी बयानबाजी के बीच शुक्रवार को योगी सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं को शुक्रवार को स्पष्ट किया। प्रदेश सरकार ने कहा कि विधानसभा में पास किए

गए नए नजूल विधेयक के तहत किसी भी व्यक्ति की बेदखली नहीं करेगी। साथ ही ऐसे पट्टाधारक जिन्होंने लीज डीड उल्धंघन नहीं किया है उनका पट्टा नियमानुसार जारी रहेगा। विधेयक के तहत ऐसी किसी भी भूमि पर जहां लोग निवास कर रहे हैं या जिसका व्यापक जनहित में उपयोग किया जा रहा है उसे नहीं हटाया जाएगा।

नजूल संपत्ति विधेयक प्रभावी होने के बाद यूपी में किसी भी नजूल भूमि को किसी प्राइवेट व्यक्ति या प्राइवेट एंटिटी के पक्ष में फ्री होल्ड नहीं किया जाएगा। इन भूमि का अनुदान केवल सार्वजनिक जैसे केंद्रीय या राज्य सरकार के विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य या समाजिक सहायता देने वाले संस्थाओं को ही दिया जाएगा। इसके अलावा खाली पड़ी नजूल भूमि जिसकी लीज अवधि खत्म हो रही है उसे फ्री होल्ड न कर सार्वजनिक हित में उपयोग किया जाएगा। ऐसे पट्टाधारक जिन्होंने 27 जुलाई 2020 तक फ्री होल्ड के लिए आवेदन किया था और समय से निर्धारित शुक्ल जमा किया वह लीज खत्म होने के अगले 30 साल तक के लिए नवीनीकरण करा सकेंगे। बशर्तें उन्होंने मूल लीज डीड का उल्लघंन न किया हो।

योगी सरकार नजूल जमीनों का उपयोग सार्वजनिक कार्यों के लिए करना चाहती है। नजूल संपत्ति विधेयक पेश करते हुए संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कि नजूल की जमीनों का उपयोग सार्वजनिक कार्यों के लिए किया जाएगा। जहां विकास कार्य कराना है वहां नजूल भूमि की इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रिटिश सरकार के दौरान आंदोनकारियों से जब्त जमीनें ही नजूल भूमि हैं। जिन लोगों ने नजूल की भूमि लीज पर ले रखी है और उसका नियमित रूप से किराया जमा कर रहे हैं वह लीज एग्रीमेंट का उल्लघंन नहीं कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि नजूल जमीन ऐसी भूमि होती है। जिनका स्वामित्त्व सरकार के पास होता है। दरअसल भारत में आजादी के बाद अंग्रेजों ने इन जमीनों को खाली कर दिया लेकिन राजाओं और राजघरानों के पास अक्सर पूर्व स्वामित्व साबित करने के लिए उचित दस्तावेजों की कमी होती थी। इन जमीनों को नजूल भूमि के रूप चिह्नित किया गया था। जिसकी संपत्ति अधिकार सरकार के पास है।

अयोध्या गैंगरेप मामले में सपा नेता की बेकरी पर चला बुलडोजर, फैक्ट्री ध्वस्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। में नाबालिग से गैंगरेप के मामले में योगी सरकार ने सख्ती दिखाई है। थानेदार और चौकी प्रभारी के निलंबन के बाद अब रेप केस का आरोपी सपा नेता की बेकरी पर बुलडोजर चला है। अधिकारियों की मौजूदगी में सपा नेता की बेकरी को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। अयोध्या में हुई इस कार्रवाई के बाद से अपराधियों में दहशत फैल गई है।

शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां ने मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। शनिवार सुबह से ही पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से डटा रहा। एडीएम प्रशासन, एसडीएम सोहावल तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भादरसा अंजू यादव शहीद पुलिस टीम की मौजूदगी में गैंग रेप के मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान की बेकरी को तीन बुलडोजर लगाकर ध्वस्त करवा दिया गया। वह जमीन जानकी प्रसाद की बताई जा रही है। जिसपर बेकरी बनाकर संचालित किया जा रहा था। बेकरी के उत्तर आधा हेक्टर तालाब की भूमि पर भी बाउंड्री बनाकर कब्जा किया गया था जिसको गिरकर नष्ट कर दिया गया।

पीड़िता की मां ने विधायक अमित सिंह चौहान के साथ शुक्रवार को सरकारी आवास पर जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। जिसमें पूरे मामले की जानकारी पीड़िता की मां ने मुख्यमंत्री को दिया

था। एबीवीपी ने कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन करते हुए 30 घंटे में कोई भी कार्रवाई न होने पर प्रशासन के उपर प्रश्नचिह्न लगाया था। इससे पहले गैंगरेप के आरोपी मोईद खान के कमरे में संचालित हो रही भदरसा पुलिस चौकी को भरतकुंड सरोवर के किनारे स्थित पर्यटन विभाग की जमीन पर शिफ्ट कर दिया गया।

आरोपी के स्थानीय थाने व पुलिस चौकी से सम्बंध होने के आरोप लग रहे थे। मामले में एसएसपी राजकरन नैय्यर ने थानाध्यक्ष रतन कुमार शर्मा व चौकी प्रभारी अखिलेश गुप्ता को सस्पेंड कर दिया। इसके बाद भी मामला शांत नहीं हुआ था। बच्ची से रेप के मामले में लगातार बुलडोजर एक्शन की मांग की जा रही थी। इसके बाद सोहावल के उपजिलाधिकारी अशोक कुमार सैनी की अगुवाई में तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और लेखपाल की टीम भदरसा पहुंची। जहां सबसे पहले गैंगरेप के आरोपी मोईद खान की बेकरी के पास पैमाइश शुरू की गई, जिसमे पंजाब नेशनल बैंक भी किराये पर चल रहा है। शनिवार को उसे बुलडोजर से गिरवा दिया गया।

बच्ची के साथ शर्मनाक वारदात को अंजाम देने वाला मोईन खान सपा नेता है। सपा नेता के साथ ही उसके नौकर पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप है। आरोपित मोईन खान फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है। एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में इस मामले पर बोलते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने इस मामले में समाजवादी पार्टी की ओर से आरोपी को लेकर सॉफ्ट कॉर्नर रखने के लिए सपा नेताओं की कड़े शब्दों में भर्त्सना की थी।

खोया पाया शिविर में हजारों कावड़ भक्तों, बच्चों को एक दूसरे से मिलाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर में कावड़ यात्रियों की सुविधा के लिये समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में संचालित बिछडे, मिले, खोया पाया माध्यम शिविर द्वारा हजारों कांवड़ भक्तों और तेरस के दिन जलाभिषेक करने आये परिवारों को एक दूसरे से मिलाया गया। पिछले 33 वर्षो से यह सिलसिला अनवरत जारी है। जय प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि शुक्रवार की मध्य रात्रि को मंदिर का कपाट खुलने के बाद कांवड़ भक्तों का रेला उमड़ पड़ा था और अनेक कांवड़ उठाने वाले एक दूसरे से बिछड़ गये, पूरी रात उन्हें एक दूसरे से मिलाने का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा।

समिति के संरक्षक डा. वीके वर्मा ने कहा कि खोया पाया शिविर की जरूरत हमेशा बनी रहेगी, पिछले 33 वर्षो से जय प्रकाश गोस्वामी

द्वारा खोया पाया शिविर का अनवरत संचालन एक उपलब्धि है. बिछड़ों को मिलाना पुनीत कार्य है। मेला, पर्व, त्यौहारों पर खोया पाया शिविर के द्वारा जिस प्रकार से जय प्रकाश गोस्वामी और उनके साथी पूरी निष्ठा से सेवा देते हैं वह अनुकरणीय है। शिविर को संचालित करने में अनिल दूबे, ब्रम्हदेव यादव 'देवा', सिद्धार्थ शंकर मिश्र, बालकृष्ण उर्फ पिन्टू तिवारी, राम अधार पाल, विश्वनाथ जायसवाल, आर.डी. प्रेमी, अमित चौबे, डा. डी.के. गुप्ता, बी.डी. मिश्र, विनोद उपाध्याय, सूर्य प्रकाश शुक्ल, रविशंकर शुक्ल, अरविन्द सिंह, राजेश्वर तिवारी, अभिनव उपाध्याय, सी.ए. अजित चौधरी, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू', विनोद शुक्ल, सूर्यमणि पाण्डेय, सन्तोष पाल, अनूप खरे, मुकेश श्रीवास्तव, विजय प्रकाश गोस्वामी, सत्य प्रकाश सिंह, मुक्तेश्वर यादव, मनोज सिंह रानू, सिद्धार्थ सिंह 'मोनू, महेन्द्र चौधरी, प्रभात सोनी, कुन्दन वर्मा, बब्लू तिवारी, कौशल पाण्डेय, हेमन्त कुमार मिश्र आदि ने योगदान दिया।

सपा की मासिक बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में 5 अगस्त को वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की जयन्ती, 10 अगस्त को वीरांगना फूलनदेवी की जयंती मनाये जाने की रूप रेखा पर विचार किया। इसी कड़ी में समाजवादी छात्र सभा द्वारा 9 अगस्त से सदस्यता अभियान चलाये जाने, छात्र, नौजवान, पीडीए जागरूकता अभियान आदि कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा कर दायित्व सौंपे गये।

बैठक को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे निरन्तर जनता के बीच बने रहें और उनकी समस्याओं के निराकरण का प्रयास करें। कहा कि समाजवादी पार्टी के नीति, कार्यक्रमों को जनता से जोड़ने के साथ ही दवाई, पढाई, विकास के मोर्चो पर अपने–अपने क्षेत्रों में निरन्तर संघर्ष को जारी रखने के साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्गदर्शन में पार्टी की मजबूती में जुट जाय।

सपा की मासिक बैठक में विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र

–सपा की नीतियों से जन–जन को जोड़े कार्यकर्ता–महेन्द्रनाथ यादव

चौधरी 'अतुल', पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, पूर्व मंत्री श्रीपति सिंह, वरिष्ठ नेता चन्द्र भूषण मिश्र, नीलू सिंह, महादेवा विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी, जमील अहमद, मो. स्वालेह, समीर चौधरी आदि ने सम्बोधित किया। वक्ताओं ने पार्टी की मजबूती के साथ ही समाजवादी विचारधारा से जन मानस को जोड़ने का आवाहन किया।

बैठक में हरैया नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, रूधौली नगर पंचायत अध्यक्ष धीरसेन निषाद, जावेद पिण्डारी, गीता भारती, मो. सलीम, अरविन्द सोनकर, आर. डी. गोस्वामी, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर, अजय यादव, रहमान सिद्दीकी, अखिलेश यादव, रजवंत यादव, विपिन त्रिपाठी, गुलाम गौस, दयाशंकर मिश्र, शंकर यादव, रजनीश यादव, जहीर अंसारी, पंकज निषाद, राजू सिंह, जयराज यादव, प्रशान्त यादव, जोखूलाल, राजेन्द्र प्रसाद, गौरीशंकर, जर्सी यादव, पवन मोदनवाल, कल्लू, रामशंकर निराला, अशोक यादव, परशुराम के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 अगस्त 2024 रविवार

सम्पादकीय

अपनों के कलह की शिकार भाजपा

बीते लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल शुरू हुई। यह लगातार बढ़ रही है। आज उप–मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मोर्चे पर तलवार भांज रहे हैं। भाजपा के 100 विधायकों को तोड़ कर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में मौर्य को मुख्यमंत्री का पद ऑफर किया गया था। सूबे में जारी इस घमासान का व्यापक असर देर–सवेर देश पर भी पड़ेगा। इसके कारण भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की हालत ऐसी है कि देश का स्वास्थ्य मंत्रालय ही नेतृत्व विहीन प्रतीत होने लगा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री और उप–मुख्यमंत्री के बीच की तकरार सरहदें पार कर गई है। केशव प्रसाद मौर्य और योगी आदित्य नाथ के नाम पर आज संगठन बनाम सरकार का समीकरण बन गया है। इसके बीच उत्तर प्रदेश की जनता की कौन सुनेगा? आज यक्ष प्रश्न यही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की ढलती स्थिति के लिए योगी को जिम्मेदार मान कर सत्ता से बेदखल करने का प्रयास अब तक सफल नहीं हो सका है। पार्टी नेतृत्व को याद होगा कि पूर्व में कल्याण सिंह की लोकप्रिय सरकार अंतर्कलह की भेंट चढ़ गई थी।

अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में हुई भूल के बाद भाजपा को सत्ता प्राप्त करने में 18 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। क्या मोदी के दौर में भाजपा फिर वही गलती दोहराएगी? इस सवाल के जवाब में तमाम तरह के दावे बाजार में मौजूद हैं। लोकसभा की 80 में से 75 सीटें जीतने का दावा करने वाले मात्र 33 पर सिमट गए। इसके कारण चुनाव में हार का ठीकरा फोडने की कवायद लगातार चलने लगी। लखनऊ में हुई समीक्षा में योगी आदित्य नाथ ने पार्टी की दुर्दशा के 3 कारण गिनाए। पहला, उन्होंने भाजपा के 400 पार के नारे को अति आत्मविश्वास का प्रतीक करार दिया। दूसरा, संविधान बदलने की योजना को अनुकूल समझ कर इसे जनता ने खारिज कर दिया। तीसरे कारण के रूप में डबल इंजन सरकार की सभी उपलब्धियों को जनता तक नहीं पहुंचा पाना माना। हालांकि पहले दोनों कारणों में उन्होंने दिल्ली की ओर उंगली घुमाई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शीर्ष नेतृत्व पर बराबर प्रहार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बायोलॉजिकल नहीं होने की बात पर भागवत भी राहुल गांधी की तरह चुटकी लेने से नहीं चूके थे।

सामाजिक समरसता के बदले हिन्दू मुस्लिम के नाम पर ध्रुवीकरण के प्रयास पर उनकी प्रतिक्रिया चर्चाओं में है। भाजपा के करोड़ों कार्यकओं के सामने संघ के 50 लाख स्वयंसेवकों पर पार्टी अध्यक्ष नड्डा की बातों को उन्होंने अहंकार का प्रतीक माना है। इनका वास्तविक खमियाजा चुनाव में भुगतने के बाद संघ और भाजपा से जुड़ी हस्तियों की प्रतिक्रिया पर हार का टोटा हावी है। क्या विधानसभा उप चुनाव पर इस बात का असर नहीं होगा? उप–मुख्यमंत्री के रूप में 2 सहयोगी बैठाकर आलाकमान ने योगी जी पर अंकुश लगाने का काम किया।

विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए योगी की तैयारी चकित करती है। इसमें जीत दर्ज करने के लिए प्रदेश सरकार ने 30 मंत्रियों की टीम मैदान में उतारी है। दोनों उप मुख्यमंत्रियों को इससे बाहर रख कर उन्होंने आलाकमान को साफ संकेत दिया है। योगी की पसंद के 3 मंत्री प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को साधने का काम करेंगे। प्रतिपक्ष इस अंतर्कलह को भुनाने के प्रयास में लगा है। आलाकमान की शह पाकर ही केशव प्रसाद मौर्य बगावत को हवा दे रहे हैं। यह हिन्दू हृदय सम्राट और नेतृत्व शिखर पर बाबा के पहुंचने के मार्ग में बाधा खड़ी करने का काम है। इसके खिलाफ बुल्डोजर बाबा की रणनीति से चित्त और पट्ट का टॉस बाबा के पाले में है। त्याग पत्र की मांग करने वाले बैकफुट पर हैं।

मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया और छत्तीसगढ़ में डा. रमण सिंह की तरह उत्तर प्रदेश से योगीजी की विदाई आसान नहीं है। उनके राजनीतिक पैंतरे का असर भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री रहे इन सभी कद्दावर नेताओं पर पड़ेगा। अपनी हैसियत बनाए रखने के लिए मोदी, शाह व नड्डा कद्दावर नेताओं के पर कतरने से नहीं चूकते हैं। ऐसा पहली बार हुआ कि अनुशासित मानी जाने वाली पार्टी में बगावत इस कदर मुखर हो गई है। संघ और उत्तर प्रदेश की जनता का सहयोग, सहानुभूति व समर्थन योगी के साथ है। ऐसे में क्या भाजपा आलाकमान उत्तर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन कर सकेगी?

जातिवाद की इस राजनीति का गढ़ माने जाने वाले सूबे में ठाकुरवाद और वर्चस्व के समर्थन और विरोध में सक्रिय लोगों की कमी नहीं रही है। क्या आज पार्टी आलाकमान आसन्न संकट से अपना ही बचाव करती नहीं दिखती है? उत्तर प्रदेश विधानसभा उप–चुनाव के बाद इस पर फिर विचार करना होगा। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भाजपा के भीतर का अर्न्तकलह कहां जाकर ठहरता है।

नजूल भूमि कानून पर गरमायी राजनीति

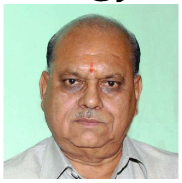

–अजय कुमार–

देश का कोई भी हिस्सा या राज्य हो वहां पड़ी नजूल की जमीन की स्थिति ठीक वैसी ही होती है जैसे किसी एक बच्चे के कई बाप का होना। नजूल की जमीन(सरल शब्दों में सरकारी जमीन) को सब अपनी बपौती समझते हैं। गरीब जनता की तो इतनी हिम्मत नहीं होती है कि वह सरकारी जमीन पर कब्जा कर सके,लेकिन ताकतवर लोगों जिसमें नेताओं से लेकर बड़े–बड़े अधिकारी और बिल्डर आदि शामिल होते हैं, के लिये यह जमीन सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित होती है। नजूल की जमीन पर कब्जा करने का सबसे आसान तरीका है उसे लीज पर हासिल कर लेना ,क्योंकि जमीन का कोई मालिक नहीं होता है इसलिये सरकारी कुर्सी पर बैठे अधिकारी और बाबू ही इसके 'मालिक' बन जाते हैं।वह सेटिंग के सहारे नजूल की जमीन का 'सौदा' कर देते हैं। इसी लिये जब नजूल भूमि कानून विधान सभा से पास होने के बाद मंजूरी के लिये विधान परिषद पहुंचा तो वहां करीब–करीब सभी दलों के माननीयों ने एकजुट होकर इसे 'ठंडे बस्ते' में डाल दिया। यानी माननीय नहीं चाहते हैं कि नजूल जमीन के लिये कोई ऐसा नया कानून बनें जिसके चलते नजूल की जमीन को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने का खेल बंद हो जाये।इस कानून को लेकर सत्ता पक्ष में मनमुटाव की खबरें आने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तो योगी सरकार को चुनौती तक दे दी वह नजूल जमीन पर नया कानून बना ही नहीं सकते हैं। वैसे विरोध समाजवादी पार्टी की तरफ से भी कम नहीं हुआ था।

दरअसल, 31 जुलाई को यूपी विधानसभा में भारी हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध और उपयोग) विधेयक, 2024 पारित किया गया था। इसके बाद जब पहली अगस्त को यह विधेयक विधान परिषद में आया तो इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया। सबसे खास बात यह रही कि इस विधेयक का समाजवादी पार्टी के नेताओं के अलावा भाजपा के कई नेताओं ने विरोध किया है। वहीं एनडीए में भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी ने इससे असहमति जताई है। विधेयक के अनुसार, कानून लागू होने के बाद किसी भी नजूल भूमि को किसी निजी व्यक्ति या निजी संस्था के पक्ष में पूरा मालिकाना हक हस्तांतरित करने पर रोक लग जाती। इसके बजाय, नजूल भूमि का इस्तेमाल सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए किया जाता। विधेयक में प्रस्ताव किया गया था कि नजूल भूमि को निजी व्यक्तियों या संस्थाओं को हस्तांतरित करने के लिए कोई भी अदालती कार्यवाही या आवेदन रद्द कर दिया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ये भूमि सरकारी नियंत्रण में रहे।कुल मिलाकर विधेयक का उद्देश्य नजूल भूमि प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना और अनधिकृत निजीकरण को रोकना बताया गया है।

बता दें उत्तर प्रदेश में लम्बे समय से नजूल की बेशकीमती जमीनों को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने का खेल चल रहा है। लगभग दो लाख करोड़ रुपये की इन सरकारी जमीनों को सर्किल रेट का केवल 10 फीसदी देकर फ्री होल्ड कराने की जद्दोजहद की जा रही है। इन जमीनों को निजी हाथों में जाने से बचाने के लिए लाया गया योगी सरकार का उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति–2024 विधेयक विधान परिषद में अटक गया,तो इससे कई ताकतवर लोगों ने राहत की सांस ली।

गौरतलब हो उत्तर प्रदेश में लगभग 25 हजार हेक्टेयर जमीन नजूल की है,जिसमें से कम से कम चार हजार एकड़ जमीन फ्री होल्ड कराई जा चुकी है और अब नजूल जमीनों के मालिकाना हक को लेकर 312 केस हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चल रहे हैं। करीब 2500 केस पाइप लाइन में हैं। इनसे जुड़ी जमीनों की कीमत लगभग दो लाख करोड़ रुपये है। ये जमीनें सबसे ज्यादा प्रयागराज, कानपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर, गोंडा, बाराबंकी आदि में हैं। नजूल की जमीनों को फ्री होल्ड कराने का केंद्र प्रयागराज है। यहां लगभग पूरा सिविल लाइंस नजूल की जमीन पर है। एक–एक बंगला 100 से 250 करोड़ रुपये का है।इसी के चलते प्रयागराज निवासी और डिप्टी सीएम चाहते थे कि यह कानून पास हो जाये,लेकिन उन्हीं की पार्टी वालों ने इसका पलीता लगा दिया।

नजूल की जमीन के लिये कैसे खेल होता है,उसकी पूरी बानगी समझने के लिये बता दें कि किसी नजूल जमीन की कीमत सर्किल रेट के हिसाब से 50 करोड़ रुपये है तो इस जमीन का बाजार भाव 100 करोड़ होगा। लेकिन मौजूदा नजूल जमीन कानून के तहत इसे सर्किल रेट का केवल 10 फीसदी देकर फ्री होल्ड कराया जा रहा है। यानि वह व्यक्ति केवल पांच करोड़ रुपये में 100 करोड़ रुपये की जमीन का मालिक बन जाता है। जबकि खास बात यह है कि नजूल एक्ट में फ्री होल्ड का प्रावधान ही नहीं है, लेकिन अब तक कम से कम 25 फीसदी नजूल की जमीन को इस तरीके से फ्री होल्ड कराया जा चुका है।

नजूल की जमीन है क्या, यह इस तरह से समझा जा सकता है आजादी से पहले अंग्रेजी हुकूमत ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लगान चुका पाने में विफल लोगों की जमीनों को छीन लिया था। इसके बाद 1895 में गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट के तहत ये जमीनें मामूली किराये पर अंग्रेजों ने लीज पर दे दीं। इनकी लीज अवधि 90 वर्ष तक थी। लीज पर दी गई इन जमीनों पर सरकार का मालिकाना हक कभी खत्म नहीं होता था।

ऐसी जमीनों को फ्री होल्ड से रोकने के लिए प्रदेश सरकार नजूल एक्ट लाई है। सरकार इस एक्ट के जरिए नजूल की जमीन को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने के खेल पर रोक लगाना चाहती है। प्रस्तावित एक्ट के मुताबिक नजूल की जमीनों पर जो लोग रह रहे हैं, उन्हें नहीं छेड़ा जाना था तो वहीं गरीब और कमजोर लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था की भी बात कही गई थी। यानी उन्हें हटाया भी नहीं जाएगा। केवल बची जगह पर पार्किंग, पार्क, सरकारी संस्थान, सरकारी शिक्षण संस्थान, पीएम आवास योजना या अन्य सार्वजनिक उपयोग में लाने का प्रावधान किया गया था। वहीं नजूल जमीन पर बसे बाजारों को बेहतर बनाने का प्रावधान था। नजूल एक्ट को देश के शीर्ष कानूनी विशेषज्ञों की राय से तैयार किया गया है। खैर, यह समझ लेना भी जरूरी है कि नजूल की जमीन को लेकर स्वतंत्र भारत के आज तक कोई नजूल एक्ट वजूद में ही नहीं था। मानसून सत्र में पहली बार यूपी में नजूल की जमीनों को लेकर विधेयक लाया गया। 1895 में ब्रिटिश सरकार गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट लाई थी, जिसके तहत जमीन लीज पर देने का प्रावधान किया गया था। उस समय शहरों की तुलना में कृषि जमीनों की कीमत ज्यादा थी, इसलिए शहरी जमीनों के बड़े–बड़े टुकड़े अंग्रेजों ने लीज के रूप में दे दिए थे। आज हालात बदल गए हैं। वर्ष 2020 में इसी एक्ट को दोबारा पास कर दिया गया था। गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट में ऑटोमेटिक रिन्यूअल का प्रावधान है, लेकिन उसमें रहने वाला जमीन का मालिक नहीं हो सकता। वह किसी तीसरे पक्ष को जमीन नहीं दे सकता। वह किसी तीसरे पक्ष के लिए जमीन दी गई है, उसके अलावा अन्य किसी उपयोग में लाने पर लीज को निरस्त किया जा सकता है।

नया नजूल भूमि एक्ट यह अमली जामा पहन लेता है तो इसके बाद उत्तर प्रदेश में किसी भी नजूल भूमि को किसी प्राइवेट व्यक्ति या प्राइवेट एंटिटी (संस्था या अन्य) के पक्ष में फ्रीहोल्ड (स्वामित्व) नहीं किया जा सकेगा। खाली पड़ी नजूल भूमि जिसकी लीज अवधि समाप्त हो रही है, उसे फ्रीहोल्ड न करके सार्वजनिक हित की परियोजनाओं जैसे अस्पताल, विद्यालय, सरकारी कार्यालय आदि का उपयोग के लिए किया जाएगा।

नजूल भूमि विधेयक के अनुसार, ऐसे पट्टाधारक जिन्होंने 27, जुलाई 2020 तक फ्री होल्ड कि लिए आवेदन कर दिया है और निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है, उनके पास विकल्प होगा कि वह लीज अवधि समाप्त होने के बाद अलगे 30 वर्ष की अवधि के लिए नवीनीकरण करा सकें। बशर्ते, उनकी ओर से मूल लीज डीड का उल्लंघन न किया गया

आमदनी बढने से खुशहाल होंगे किसान

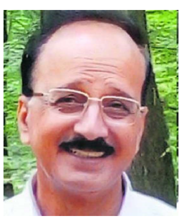

–देविंदर शर्मा–

पिछले लगभग पच्चीस सालों से बजट प्रस्तुत करते समय अमूमन प्रत्येक वित्त मंत्री अपने संबोधन की शुरुआत भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्ती भूमिका का विशेष रूप से बखान से करता आया है। बजटीय भाषणों में इसका गुणगान करने को वे 'किसान की आजादी' से लेकर खेती को देश की 'आर्थिकी की जीवनरेखा' बताने जैसे अनेक जुमले इस्तेमाल करते रहे। अरुण जेटली ने कृषि आय में बढ़ोतरी को सरकार की प्राथमिकता में एक बताया था। निर्मला सीतारमण ने भी कृषि की महत्ता को मान्यता देते हुए इसे अपनी नौ मुख्य प्राथमिकताओं में एक बताकर सम्मानीय स्थान पर रखा है। लगभग हर बजट में जिस प्रकार कृषि को आगे बढ़ाने की बातें की गईं, उसके मुताबिक तो अब तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कायाकल्प हो चुकी होती। लेकिन 'ध्यान का केंद्र' ठहराए जाने के बावजूद एक बार भी ऐसा नहीं लगा कि कृषि उबरने की राह पर है। यह इसलिए क्योंकि अधिक जोर फसल उत्पादन बढ़ाने पर बना रहादृ इस उम्मीद से कि इससे किसान को अधिक कीमत और आय मिल पाएगीदृपरंतु कृषि संत्रास उलटा और बढ़ता गया। यदि सफल हरित क्रांति और प्रत्येक बजटीय सहायताओं के बावजूद किसान की खेती से होने वाली औसत वार्षिक आय 10,218 रुपये जितनी है तो खेती पर गहराए गंभीर संकट से इनकार नहीं किया जा सकता।

यहां पर हकीकत की जांच यह है रू अनुमानों के अनुसार कर्नाटक में पिछले 15 महीनों में लगभग 1,182 किसानों को आत्महत्या करनी पड़ी है। वहीं महाराष्ट्र में इस साल जनवरी से जून के बीच 1,267 कृषकों को खुदकुशी करनी पड़ी, इसमें 557 मामले अकेले विदर्भ क्षेत्र से हैं।

किसानों द्वारा आत्महत्या कोई नया चलन नहीं है। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के पिछले 27 साल के रिकॉर्ड ऐसे मामलों की बहुत बड़ी संख्या दर्शाते हैं। जबकि यह काल वह था जिसमें हर साल बजट में कृषि के लिए पिछले साल से अधिक राशि का प्रावधान किया जाता रहा। वर्ष 1995 से 2014 के बीच, 2,96,438 कृषकों को अपना जीवन समाप्त करने का अतिशयी कदम उठाना पड़ा। वर्ष 2014 से 2022 के बीच यह आकंड़ा 1,00,474 रहा। सरल शब्दों में, 1995 से 2022 के मध्य लगभग 4 लाख किसानों ने आत्महत्या की है और वह भी ऐसे वक्त में जब हर साल बजट में कृषि को उबारने का वादा किया जाता रहा। बजटीय राशि और कृषि संत्रास जारी रहने के बीच कोई मेल नहीं है।

तेलंगाना अब कृषि ऋणों को माफ करने के दूसरे चरण में है। इस प्रक्रिया में 6.4 लाख किसानों का 6.198 करोड़ रुपये कर्ज माफ किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक किसान को कुल ऋण में 1.5 लाख रुपये की राहत मिलेगी। प्रथम चरण में, लगभग 11.34 लाख कृषकों के बैंक खाते में कुल 6,190 करोड़ रुपये डाले गए। तीसरे चरण में, जो इस महीने शुरू होगा, 17.75 लाख किसानों को 12,224 करोड़ रुपये की ऋण छूट मिलेगी। कुल मिलाकर, सूबे में 35.5 लाख किसानों को कर्ज में राहत मिलेगी। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं कि अन्य राज्यों के लिए कृषक के सिर पर बढ़ता जा रहा कर्जा चिंता का विषय नहीं है।

आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने संसार की मुख्य 54 अर्थव्यवस्थाओं द्वारा किसान को सब्सिडी के रूप में दी जाने वाली मदद का अध्ययन करने के बाद जो नवीनतम वैश्विक विश्लेषण पेश किया है, उसके अनुसार भारत ही एकमात्र देश है जिसका किसान अपना घाटा पूरा करने को यथेष्ट बजटीय प्रावधानों से महरूम है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारतीय किसान वर्ष 2000 से साल–दर–साल घाटा खा रहा है। क्या अर्थव्यवस्था का कोई अन्य क्षेत्र लगातार होते घाटे में जीवित रह पाता?

भले ही हम कार्यविधि में खामियां ढूंढ़ें लेकिन तथ्य यही रहेगा कि तकनीक विकास की कितनी भी मदद करें या उत्पादकता बढ़ाने को अन्य योजनाओं को कितना भी धन दें, लेकिन इससे किसी किसान की व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी होने से रही। दुनिया में भी कहीं और ऐसा नहीं हो पाया। ओईसीडी का अध्ययन इस तथ्य पर मुहर लगता है।

यह वही है, जिसे आम बोलचाल की भाषा में 'वाया बठिंडा' कहते हैं अर्थात् काम या उपाय व्यर्थ घुमा–फिराकर करना। क्यों नहीं हम कृषि आय में बढ़ोतरी के उपाय, इसमें प्रयुक्त अवयवों अथवा तकनीक के आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से करने के बजाय सीधी राह से करते? अनेकानेक अध्ययन दर्शाते हैं कि कैसे लगभग सारा मुनाफा आपूर्तिकर्ताओं की जेबों में चला जाता है और किसान वहीं का वहीं यानी सबसे निचले पायदान पर रह जाता है। यहां तक कि आपूर्ति शृंखला के मामले में भी, अंतिम छोर पर हुए खुदरा मुनाफे में किसान का हिस्सा महज 5–10 फीसदी या इससे कम रहता है। यूके में हुआ हालिया अध्ययन कहता है कि जहां स्ट्रॉबेरी और रसभरी के विपणन से खुदरा मुनाफा 2021 में बढ़कर 21 पेंस हो गया, वहीं इसमें किसान के हिस्से सिर्फ 3.5 पेंस आए। इससे पहले के कुछ अध्ययन दर्शाते हैं कि रोजमर्रा इस्तेमाल की जिन छह आवश्यक वस्तुओं पर कोई उपभोक्ता निर्भर है, किसान को उनसे प्राप्त खुदरा मुनाफे में केवल 1 फीसदी मिलता है। इसलिए, आपूर्ति शृंखला को सुदृढ़ करने पर जोर जरूरी है जैसा कि नवीनतम बजट में भी कहा गया है, यह तभी कारगर हो पाएगा यदि मुख्य उत्पादक यानि कृषक के अधिक हिस्से की गारंटी सुनिश्चित हो।

बजट में कृषि क्षेत्र के लिए कुल बजट का महज 3.15 प्रतिशत धन रखना, वह भी तब जब देश की लगभग आधी आबादी का रोजगार खेती हो, इससे कुछ बहुत अधिक प्राप्ति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इस साल कृषि क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं। पिछले साल के मुकाबले इजाफा भले ही 26000 करोड़ रुपये अधिक है, किंतु आवश्यक रूप से गैर–योजनागत खर्चों के लिए है, पहले से चली आ रही योजनाओं के लिए। यह देखते हुए कि कृषि बजट में 60,000 करोड़ रुपये वह मद भी शामिल हैं, जो प्रधानमंत्री किसान निधि योजना के लिए है, जिसके तहत लाभार्थी किसान के बैंक खाते में प्रति माह 500 रुपये दिए जाते हैं, तब कृषि बजट हेतु पीछे केवल 92,000 करोड़ रहे। कोई हैरानी नहीं कि पारिवारिक उपभोग व्यय सूचकांक 2022–23 हमें बताता है कि ग्रामीण क्षेत्र में एक परिवार का मासिक औसतन व्यय महज 3,268 रुपये है। अगर खेती से आय व्यावहारिक नहीं होगी तो जाहिर है ग्रामीण इलाकों में लोग खरीद करने में कम पैसे खर्चेंगे।

इसलिए, कृषि की स्थिति पर गंभीर होकर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। सर्वप्रथम गौर जीवनयापन जैसे अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर करना होगा ताकि खेती से आय समाज के अन्य तबकों जितनी हो पाए। इसको लेकर मेरा सुझाव है कि राष्ट्रीय कृषक आय एवं भलाई आयोग बनाया जाए, जो तयशुदा समय के भीतर, कृषि आय बढ़ाने के निश्चित उपाय बताए। इसकी शुरुआत न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनन बाध्यता बनाकर की जाए।

–लेखक कृषि एवं खाद्य मामलों के विशेषज्ञ हैं।

बीच बहस में सामाजिक न्याय

–उमेश चतुर्वेदी–

भारतीय समाज और राजनीति के लिए जाति एक ऐसा तत्व है, जिस पर सबसे ज्यादा विमर्श और वितंडा– दोनों होते रहे हैं। जाति को लेकर इन दिनों राजनीतिक परिधि में जो कुछ भी हो रहा है, उसे विमर्श तो कतई नहीं कहा जा सकता, बल्कि वह वितंडा है। मोदी की अगुआई वाले एनडीए को हर मुमकिन मोर्चे पर चुनौती देने की कोशिश में जुटा विपक्षी खेमा जहां जाति जनगणना की रट पर लगातार कायम है, वहीं केंद्र सरकार लगातार इसे सामाजिक स्वास्थ्य के लिए आसन्न खतरा मानते हुए इसे टालती रही है। इसी बीच संसद में भाजपा के नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति पूछ ली। इसके बाद न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि अखिलेश यादव का पूरा सियासी कुनबा इस सवाल पर क्षुब्ध है।

जाति व्यवस्था को सामाजिक कोढ़ बताने वालों का मानना था कि अगर विकास और आधुनिकता आएगी तो जाति व्यवस्था अपने आप टूट जाएगी। गांधी मानते थे कि अछूतोद्धार के जरिए समाज में बराबरी का संदेश जाएगा। जबकि अंबेडकर मानते थे कि सामाजिक विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों को आरक्षण देकर पहले सबल बनाया जाना चाहिए। वह तबका सबल होगा तो जाति व्यवस्था में बराबरी का भाव आएगा। जबकि लोहिया सोचते थे कि पिछड़ों को आर्थिक रूप से ताकतवर बनाकर आगे लाया जाए तो सामाजिक समानता का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कुछ ऐसी ही सोच दीनदयाल उपाध्याय की भी रही। लेकिन बहुजन आंदोलन के अगुआ कांशीराम इससे आगे निकल गए। उनकी मान्यता रही कि पिछड़े और दलितों को सत्ता मिल जाए तो जाति टूट जाएगी।

मोटे तौर पर चारों वैचारिकी के आधार पर देखें तो जाति सामाजिक रूप से टूटती तो नजर आ रही है, लेकिन जैसे–जैसे आरक्षण की राजनीति अंबेडकर की बुनियादी सोच से आगे बढ़ने लगी, राजनीतिक रूप से जातियां अपने–अपने दायरे में और मजबूत होती गईं। जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की सोच बढ़ने लगी। वोट बैंक की राजनीति ने इस प्रक्रिया को और बढ़ावा दिया। सत्ता के लिए बहुमत हासिल करने के लक्ष्य को लेकर लगातार सक्रिय राजनीति ने जातीय समूहों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश में उनकी मांगों को उछालना शुरू किया। हर राजनीतिक समूह अपने हिसाब से अपनी समर्थक जातियों की राजनीतिक मांगों को जायज ठहराने लगा। इस पूरी प्रक्रिया में सामाजिक रूप से जाति को तोड़ने की सोच पीछे छूटती चली गई। दिलचस्प यह है कि जब कोई जातीय समूह किसी खास राजनीतिक ताकत का साथ छोड़ने लगा तो उसके हक और अधिकारों की मांग उस राजनीतिक ताकत के लिए गौण होने लगी।

भारतीय संविधान में दलितों और आदिवासी समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करते वक्त डॉ. अंबेडकर ने इसे अनंतकाल तक चलाने से चेताया था। संविधान में शुरुआती दस साल के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था रखी गई थी। आरक्षण का लक्ष्य अब हर जातीय समूह का जीवन–मरण का उद्देश्य बन गया है। जाति जनगणना की मांग जातीय समूहों को राजनीतिक समूहों द्वारा संतुष्ट करने की कोशिश है कि वह उसके इस जीवन–मरण के लक्ष्य के साथ खड़े हैं।

अब चाहे गांधी रहे हों या अंबेडकर या फिर लोहिया या दीनदयाल, उनके विमर्श की गहराई से पड़ताल करेंगे तो उनके विचारों और सिद्धांतों का बुनियादी मकसद सत्ता की राजनीति नहीं, सामाजिक समानता के जरिए भारतीय समाज का निर्माण लगता है। लेकिन उनके नाम पर राजनीति करने वाले आधुनिक समूहों को देखिए तो समाजवादी धारा की मौजूदा राजनीति की प्रभावी ताकतों के पास भारतीय समाज बनाने का कोई ठोस सामाजिक कार्यक्रम नहीं दिखता।

सड़क पर शव रखकर बिलखे परिजन, किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। धारदार हथियार से युवक की हत्या के बाद शव पहुंचने पर गांव में कोहराम मच गया। पीड़ित परिजन शनिवार सुबह अमदही चौराहे पर शव रखकर कार्रवाई की मांग करने लगे। सड़क पर परिजनो के कार्रवाई के लिए बिलखने से लोगों की आंखें नम हो गईं। दो घंटे तक चले प्रदर्शन से कई गांवों का रास्ता अवरुद्ध रहा। चौराहा जाम होने से सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही, जिसमें कई वाहन फंसे रहे। सीओ के एफआईआर में नाम बढ़ाने और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद परिजन मानें और शव दाह संस्कार के लिए लेकर चले गए।

विद्युत केबिल जोड़ने को लेकर थाना क्षेत्र के चिवरहा गांव में गुरुवार को दबंगों ने बृजपाल (44) की धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी थी। शुक्रवार देर शाम पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया। शव के गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। पूरी रात पीड़ित के घर ढांढस बंधाने वालों का तांता लगा रहा। सुबह आठ बजे गांव वालों के साथ परिजन शव लेकर अमदही चौराहे पर पहुंच गए और शव चौराहे रखकर प्रदर्शन करने लगे। परिजनों की मांग थी कि घटना में पुलिस ने मात्र एक व्यक्ति को आरोपी बनाया है जबकि घटना में एक से अधिक लोग शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस शामिल कई लोगों को बचा रही है। इस बात को लेकर लोगों में काफी आक्रोश भी देखा गया। मृतक के बेटे पाटन दीन व उसकी बेटियों और भाई के बिलखने से मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। लोगों की आंखें तो नम थी लेकिन चेहरे पर गुस्सा साफ झलक रहा था। मौके पर दो थानों की पहुंची फोर्स रू चौराहा जाम की खबर मिलते ही दो थानों तरबगंज और उमरी बेगमगंज की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर नियंत्रण किया। पुलिस लगातार परिजनों और लोगों पर प्रदर्शन समाप्त करने का दबाव बनाने में लगी रही लेकिन लोग न्याय की मांग को लेकर अडे रहे। परिजनों की मांग थी कि घटना में शामिल सभी आरोपियों को नामजद कर गिरफ्तारी की जाए। करीब दो घंटे चले प्रदर्शन के बाद मौके पर सीओ विनय कुमार सिंह पहुंचे और उन्होंने एफआईआर में नाम बढ़ाने और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। सीओ के आश्वासन के बाद परिजन मान गए और शव अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले गए।

बैंक ड्यूटी के दौरान होमगार्ड की बिगड़ी तबीयत, मौत

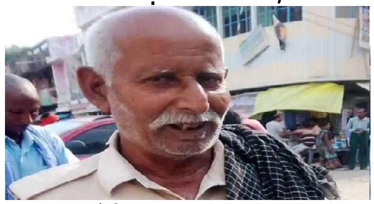

संवाददाता–देवरिया। बरहज नगर स्थित बंधन बैंक पर शनिवार को ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से एक होमगार्ड की मौत हो गई। होमगार्ड के मौत की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी आदित्य गौतम और एसएचओ राहुल सिंह पहले बैंक और फिर अस्पताल पहुंचे। बरहज थाना क्षेत्र के ग्राम लवरछी निवासी दयानंद यादव (59) पुत्र स्व राजदेव यादव बरहज थाने पर होमगार्ड के पद पर तैनात थे। शनिवार को रुद्रपुर रोड स्थित बंधन बैंक पर इनकी ड्यूटी लगी थी। ड्यूटी के दौरान करीब साढ़े बारह बजे अचानक इनको चक्कर आया तो कुर्सी पर बैठ गए। इनकी हालत बिगड़ती देख बैंककर्मियों ने इनके एक रिश्तेदार को फोन से सूचना दी। सूचना पर पहुंचे रिश्तेदार दयानंद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहज ले गए, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इनकी मात्र एक विवाहिता पुत्री शकुंतला है। पत्नी सुभावती देवी इनसे अलग रहती है। प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह ने बताया कि होमगार्ड दयानंद की बैंक पर ड्यूटी लगी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

लार थाने में तैनात तीन सिपाहियों को एसपी ने किया निलंबित, महकमे में हड़कंप

संवाददाता–देवरिया। एसपी संकल्प शर्मा ने लार थाने में तैनात तीन सिपाहियों को निलंबित कर दिया। इसमें से दो के खिलाफ फरियादियों को आवास पर बुला कर मामला निपटाने पर कार्रवाई हुई है जबकि एक सिपाही को आईजीआरएस के मामलों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया है। शिकायत मिलने पर एसपी ने सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला से जांच कराई थी। सीओ की जांच में दोषी मिलने के बाद कार्रवाई की गई है। तीनों सिपाहियों को पुलिस लाइन से संबद्ध कर दिया गया है।

लार थाने में तैनात कांस्टेबल प्रवीन पांडेय और रवि कुमार पटेल थाने पर आने वाले गंभीर से गंभीर मामलों को भी अपने आवास पर निपटाते थे। ये दोनों पक्षों को आवास पर ही बुला लेते और इसकी भनक हलका दरोगा और थाना प्रभारी को भी नहीं लगने देते। यही नहीं आरोप यह भी था कि दोनों पिंडी क्षेत्र के एक आपराधिक मामलों में पीड़ित की मदद न करके आरोपियों की मदद में लगे थे। कई मामलों में ये दोनों पक्षों को डरा धमका कर भी समझौता करा देते थे। इन लोगों पर यह भी आरोप था कि बीते 26 जुलाई को बस खड़ा करने को लेकर कोलंबस स्कूल के बस चालक को एक युवक बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया था। चालक के सिर में करीब एक दर्जन टांके लगे थे। उसके बावजूद पीड़ित की मदद न करके दोनों सिपाही आरोपियों की मदद में लगे थे। इस मामले में भी जबरन सुलह करा दिए थे। एसपी संकल्प शर्मा से किसी ने दोनों सिपाहियों की करतूतों के बारे में शिकायत की। इस पर उन्होंने प्रकरण की जांच सलेमपुर के सीओ दीपक शुक्ल को सौंपी। सीओ की जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद एसपी ने आरक्षी प्रवीन पांडेय और रवि कुमार पटेल को निलंबित करते हुए पुलिस लाइन से संबद्ध कर दिया।

आईजीआरएस से जुड़े मामले में लापरवाही पर लार में ही तैनात एक सिपाही के खिलाफ कार्रवाई हुई है। लार थाने में तैनात कांस्टेबल मुअज्जम के ऊपर आईजीआरएस से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी थी। जांच में पाया गया कि इन मामलों की पैरवी और निस्तारण में उनके द्वारा लापरवाही बरती जा रही थी। इसे गंभीरता से लेते हुए एसपी ने कांस्टेबल मुअज्जम अंसारी को भी निलंबित कर दिया। उन्हें भी पुलिस लाइन से संबद्ध कर दिया गया है। एक ही थाने के तीन सिपाहियों के निलंबन से महकमे में हड़कंप मच गया है।

दीपक शुक्ल, सीओ, सलेमपुर ने कहा कि लार थाने में तैनात तीन सिपाहियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई हुई है। कांस्टेबल प्रवीन पांडेय और रवि कुमार पटेल पर दोनों पक्षों को आवास पर बुला कर जबरन निस्तारित करने का आरोप था। जांच में आरोप सही मिलने पर इनके खिलाफ कार्रवाई हुई है जबकि मुअज्जम अंसारी को आईजीआरएस से जुड़े मामले में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया है।

करंट से मजदूर की जान बचाने में मलिक की हो गई मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के खुखुंदू क्षेत्र में करंट की चपेट में आए मजदूर की जान बचाने के दौरान मालिक की मौत हो गई। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। हादसे के शिकार सचिन चौरसिया कोल्ड ड्रिंक की दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। खुखुंदू थाना क्षेत्र के बैदौली गांव निवासी सचिन चौरसिया (40) पुत्र स्व. भगवान चौरसिया अपना मकान बनवा रहे थे। शनिवार को मकान निर्माण कार्य में लगा हुआ बगल के गांव का एक मजदूर सरिया सीधा कर रहा था। उसी दौरान मकान के आगे से गुजरे ग्यारह हजार वोल्ट के तार से सरिया के स्पर्श हो गया। यह देख सचिन चौरसिया मजदूर को छुड़ाने लगे। सचिन मजदूर को छुड़ाने के बाद स्वयं करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय देवरिया के इमरजेंसी में ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सचिन चौरसिया गांव के पास ही श्रीराम चौराहे पर कोल्ड ड्रिंक और मिठाई की दुकान किए हुए थे।उस दुकान के सहारे ही पूरे परिवार के जीविकोपार्जन चलता था। उनके दो बेटे अंश 9 वर्ष एवं एक छोटा बेटा अभी करीब एक माह का है। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। पत्नी सुमन चौरसिया का रोते–रोते बुरा हाल है।

तीनों तहसीलों में आए 174 मामले, 13 का मौके पर कराया निस्तारण

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के तीनों तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सदर तहसील में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम पवन अग्रवाल ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। तीनों तहसीलों में आयोजित समाधान दिवस में 174 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से 13 का मौके पर निस्तारण कराया गया। शेष शिकायतों का निस्तारण समयावधि के भीतर करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने कहा कि भूमि विवाद एवं लॉ एण्ड आर्डर के मद्देनजर संवेदनशील मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर मामले का निस्तारण कराएं। थाना गौरा चौराहा के ग्राम गोपालपुर लिलवा निवासी वहीदुल हसन ने शिकायती पत्र देकर कहा कि वह अपनी जमीन को बचाने के लिए अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर काट रहे हैं। बताया कि गोपालपुर गांव के ही एक दबंग व्यक्ति उनकी जमीन पर कब्जा करना चाहता है। जबकि जमीन की पैमाइश का

मुकदमा न्यायालय में बिचाराधीन है। यह भी आरोप लगाया है कि दबंग किस्म के लोग उन्हें रास्ते में जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। जिलाधिकारी ने तत्काल राजस्व व पुलिस टीम गठित कर तीन दिन के भीतर निस्तारण कराने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन प्रातरू 10 से 12 तक जनता दर्शन कर जनमानस की शिकायतों का निस्तारण कराएं। इस अवसर पर एएसपी योगेश कुमार, एसडीएम संजीव कुमार यादव, तहसीलदार अखिलेश, नायब तहसीलदार अनुपम शुक्ला सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। यहां पर 80 शिकायतें आईं, जिसमें से छह का मौके पर निस्तारण किया गया। तुलसीपुर में तहसीलदार घासीराम की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। यहां पर 38 शिकायतें आईं, जिसमें मौके पर तीन का निस्तारण किया गया। इस पर तहसीलदार ने संयुक्त टीम गठित कर समस्या समाधान कराने का निर्देश दिया। उतरौला में सीडीओ संजीव कुमार मौर्य की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। यहां पर 56 मामले आए। जिसमें से मौके पर चार का निस्तारण कराया गया। इस अवसर पर एसडीएम अवधेश कुमार, एसडीएम न्यायिक राजेन्द्र बहादुर सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

प्रदेश में पूरी तरह से विफल है योगी सरकार -माता प्रसाद पाण्डेय

संवाददाता–गोण्डा। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय का शनिवार को अम्बेडकर चौराहे पर स्वागत किया गया। विधानसभा क्षेत्र तरबगंज के पूर्व प्रत्याशी रामभजन चौबे के नेतृत्व में दर्जनों नेताओं ने सड़क मार्ग से लखनऊ से सिद्धार्थ नगर जा रहे श्री पाण्डेय को 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज चौबे ने श्री पाण्डेय को स्मृति चिन्ह भेंट किया । इस मौके पर नेता विपक्ष ने बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश में योगी सरकार सरकार पूरी तरह से विफल हो चुकी है। शासन में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर बढ़ गया है। विकास की योजनाएं ठप पड़ी है। महंगाई पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। प्रदेश सरकार खाली पड़े पदों के नौकरी में भर्ती नहीं कर रही है। रोजगार के अभाव एवं बेरोजगारी से शिक्षित युवा बेहाल हैं। स्वागत करने वालों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज चौबे, प्रदेश सचिव केशवराम मौर्या, शब्बू यादव, अंकित पाण्डेय, बबलू चौबे, दिलीप पाण्डेय, रोहित पाण्डेय, लवकुश पाण्डेय, प्रमोद यादव, संतोष शुक्ला, धर्मेंद्र तिवारी, अवधराज तिवारी, अमित तिवारी पोखरा, रामपाल सिंह, अवनीश शुक्ला, गोविन्द शुक्ला, सुनील पाल, संजय चौबे,रिंटू सिंह चंद्रेश शुक्ला, वृजनन्दन शुक्ला, राज शुक्ला कुराह, अंकुर तिवारी, सोनू तिवारी, पिंटू तिवारी, संतराम यादव,इद्रेश वर्मा, कुलदीप शुक्ला, रामजोर, रमेश आदि शामिल रहे।

शिक्षा और दीक्षा शब्द में पर्याप्त अंतर -प्रो. मंशाराम वर्मा

संवाददाता–गोण्डा। लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा, में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित छात्रों हेतु दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित छात्रों का स्वागत करते हुए संस्कृत विभाग के प्रो० मंशाराम वर्मा ने भाषा में शब्दों के प्रयोग और उनके सूक्ष्म अंतर को विस्तार से बताते हुए कहा कि शिक्षा और दीक्षा शब्द के अर्थो में पर्याप्त अंतर है। किंतु सामान्यतया शिक्षा के लिए ही दोनों शब्दों का प्रयोग करते देखा जाता है। दीक्षित होने के लिए शिक्षित होना अनिवार्य शर्त नहीं है। प्रोफेसर मंसाराम वर्मा ने कहा कि प्राचीन परंपरा में यज्ञीय सत्रों में अपेक्षाकृत कम पढ़े–लिखे लोग भी गुरु से दीक्षा लेकर यज्ञ को कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराते थे। ऐसे शिष्य दीक्षित कहलाते थे। कालक्रम से दीक्षित शब्द उपाधि नाम में प्रयुक्त होने लगा। प्रो० वर्मा ने छात्रों को महाविद्यालय के तीन परिसरों के विषय में परिचय कराते हुए पुस्तकालय, कार्यालय, एवं विभिन्न संकायों के विषय में बताया। दीक्षारम्भ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनीति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ० शैलेश कुमार ने छात्रों को नई शिक्षा नीति के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने शैक्षिक जीवन में सफल होने के लिए कई उपाय बताएघ। भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ रंजन शर्मा ने छात्रों को मोबाइल और इंटरनेट के सीमित और उपयोगी प्रयोग की सलाह दी। डॉ० शर्मा ने कहा कि पुस्तकें छात्रों की वास्तविक मित्र हैं। छात्रों को पुस्तकों का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ० ममता शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि लड़कियों को शिक्षा के क्षेत्र में और आगे आना होगा। आज समाज के हर क्षेत्र में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

संस्कृत विभाग के प्रवक्ता श्रवण कुमार ने कहा कि यह जीवन की दशा और दिशा निर्धारित करने का काल हैघ। हमें आज ही अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए। उसके अनुरूप परिश्रम करना चाहिए। कार्यक्रम में अलग–अलग विषयों के सैकड़ें छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया एवं प्रश्नों के माध्यम से गुरुजनों से अपनी जिज्ञासाओं को शान्त किया। कार्यक्रम का समापन दीक्षारम्भ के संचालक प्रो० मंशाराम वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर अख्तर अली के हत्या का शनिवार को खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी उदयभान को गिरफ्तार कर लिया। हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल को भी बरामद करने का दावा किया है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायन सिंह बताया कि हत्या को अंजाम देने वाले दोनों हिस्ट्रीशीटर अपराधियों में मुख्य आरोपी उदयभान को मजिस्ट्रेट के समक्ष रिमांड के लिए प्रस्तुत किया गया। दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम उसके सम्भावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी के बीबी से अवैध सम्बन्ध के चलते अख्तर की हत्या हुई है। कटी तिराहे से मनकापुर जाने वाले रोड पर सिरसा गांव के निकट बीते 20 जुलाई की सुबह एक अधेड़ का खून से लथपथ शव सड़क किनारे एक खेत से बरामद हुआ था। खेत मालिक की सूचना पर पुलिस ने अज्ञात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद शव के शिनाख्त कराने के प्रयास मे लगी थी। आसपास के जनपदो में लगवाए गए पोस्टर के जरिए मृतक की पत्नी ने बलरामपुर के उतरौला निवासी अख्तर के रूप में शिनाख्त की। पत्नी ने थाने में अपने पति की हत्या का आरोप उसके ही दो साथियों पर लगाते हुए नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने शव की पहचान और मुकदमा दर्ज करने के बाद मुख्य आरोपी उदयभान पुत्र शिव राज निवासी ग्राम पकडिहवा धनेश्वर थाना वजीरगंज के तलाश करने लगी शुक्रवार को पुलिस को उदयभान के पुलिस के हत्थे चढ जाने के बाद उससे पुछताछ करते हुए हत्या मे प्रयुक्त लोहे की राड को भी बरामद कर लिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि उदयभान और अख्तर की जेल में हुई मुलाकात और दोस्ती के बाद जेल से बाहर आते ही दोनों एक दूसरे के घर भी आने–जाने लगे। इसी दौरान उदयभान को बलरामपुर जिले की पुलिस ने एनडीपीएस केस में फिर जेल भेज दिया। उसके जेल चले जाने के बाद उसकी पत्नी से अख्तर के सम्बन्ध गहरे होते चले गए और वह निरन्तर उसके घर में आने लगा।

दो साल बाद बीते 26 अप्रैल को उदयभान के जेल से छूटकर घर पहुंचने के बाद उसे अख्तर के आवागमन पर संदेह होने लगा और अवैध सम्बन्ध की पुष्टि हो जाने के बाद अपने मित्र पवन गोसाई के साथ मिलकर साजिश रचते हुए अख्तर को पवन के जरिए 18 जुलाई को उसके घर से बुलवाककर 19 जुलाई की शाम पहले दोनो दोस्तो ने अख्तर को जमकर शराब पिलाया उसके बाद उसे मनकापुर ले जाने का बहाना बनाकर कस्बे के कटी तिराहे तकरीबन दो किलोमीटर आगे रोड किनारे एक खेत में ले जाकर उसके सिर पर लोहे की राड जबरदस्त प्रहार करते हुए उसकी हत्या कर दी। उसके बाईक को भी रोड किनारे झाड़ी में ढकेल कर फरार हो गए।

आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम एसओ निर्भर नारायन सिंह, एसआई सजीव सिंह, कॉन्स्टेबल अमर पटेल, सुनील यादव, धीरज वर्मा और अजय यादव के नाम शामिल है।

समस्या समाधान कराने को लेकर लेखपाल संघ ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बलरामपुर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले शनिवार को तुलसीपुर तहसील इकाई के लेखपालों ने राजस्व परिषद के आयुक्त व सचिव को तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। लेखपालों ने ऑनलाइन खसरा फीडिंग, ई–खसरा पड़ताल, फसल सर्वे कार्य में आने वाली तकनीकी एवं व्यवहारिक समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की है। तुलसीपुर तहसील संघ के अध्यक्ष अमित कुमार तिवारी व महामंत्री विनय कुमार यादव के नेतृत्व में लगभग एक दर्जन लेखपालों ने ज्ञापन सौंपा है। जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुहेल अहमद, कनिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव यादव, उप मंत्री लल्लू प्रसाद, कोषाध्यक्ष माया शंकर शर्मा व आडीटर मनीष कुमार ने कहा है कि लेखपालों को ऑफ लाइन पड़ताल के आधार पर 1428 फसली का अंतिम हस्तलिखित खसरा उपलब्ध है। जिसके आधार पर 1429 व 1430 खसरे की फीडिंग कराई गई है। फसल सर्वे में छूटे गांव में पड़ताल पहले की भांति खसरा प्रारूप पर ऑनलाइन थी। जिसके आधार पर फीडिंग का कार्य होना था। जिसमें तकनीकी एवं व्यवहारिक समस्याएं आ रही हैं। इसके अलावा अन्य कई समस्याओं के समाधान की मांग लेखपालों ने की है।

श्री किशोरी कृपा कुंज के महंत बने लक्ष्मण दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्याधाम के रामघाट बाईपास स्थित श्रीकिशोरी कृपा कुंज का नया महंत लक्ष्मण दास को बनाया गया। जिन्हें महंताई समारोह के दरम्यान रामनगरी के संत–महंतों ने साधुशाही परंपरानुसार कंठी, चद्दर, तिलक देकर महंती की मान्यता प्रदान किया। बता दें कि श्रीकिशोरी कृपा कुंज के महंत रहे महामंडलेश्वर स्वामी जी महाराज महात्यागी का विगत 16 जुलाई को साकेतवास हो गया था। तब से आश्रम की गद्दी खाली चल रही थी। जिस पर उनके कृपापात्र शिष्य लक्ष्मण दास की ताजपोशी की गई। शुक्रवार को साकेतवासी महंत का सत्रहवीं संत भंडारा रहा। इस अवसर पर अयोध्यानगरी के संत–महंत और धर्माचार्यों ने लक्ष्मण दास महाराज को श्रीकिशोरी कृपा कुंज का महंत नियुक्त किया। नवनियुक्त महंत लक्ष्मण दास ने कहा कि उनके गुरूदेव संत एवं गौ सेवी होने के साथ–साथ भजनानंदी संत रहे। संतत्व तो उनमें देखते ही झलकता था। वह विलक्षण प्रतिभा के धनी संत थे। उन्हें वेद, वेदांत, न्याय व साहित्य का अच्छा ज्ञान था। विद्वता में उन्हें महारथ हासिल रहा। उन्होंने सेवा को ही अपना धर्म माना।

आजीवन सेवा कार्यों से जुड़े रहे। उनके मार्गदर्शन में कई सेवा के कार्य संचालित भी हुए। गुरूदेव ने अपने शिष्य–अनुयायियों एवं परिकरों को सेवा कार्य करने हेतु प्रेरित किया। उन्हें सेवा का पाठ पढ़ाया। वह जीवन भर सेवा ही परमोधमारू के मार्ग पर चलते रहे। गुरूदेव ने अयोध्याधाम में एक विशाल आश्रम की स्थापना कर उसका कार्यभार संभाला। वह अब हमारे बीच में नही हैं। लेकिन उनकी यश और कीर्ति सदैव हम सबके साथ रहेगी। उस रिक्त स्थान की पूर्ति भविष्य में कभी नही की जा सकती है। नये महंत ने कहा कि मंदिर में ठाकुरजी की सेवा के साथ–साथ गौ, संत, विद्यार्थी, अतिथि सेवा सुचार रूप से चलती रहेगी। गुरूदेव के बतलाए हुए मार्ग व पदचिंहों पर चलकर मैं आगे बढ़ूंगा। साथ ही मठ के सर्वांगीण विकास में कृत–संकल्पित रहूंगा। इस मौके पर संत–महंत, धर्माचार्य तथा भक्तजनों ने प्रसाद पाया। अंत में मठ के नवनियुक्त महंत लक्ष्मण दास महाराज ने आए हुए संत–महंत, धर्माचार्य, विशिष्टजनों का अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत–सम्मान किया। महंताई समारोह में मुख्य रूप कनक महल के महंत सीताराम दास महात्यागी, जानकी कुंज महंत वीरेंद्र दास, महंत नित्यानंद दास हनुमानगढ़ी, महंत शंभू दास, महंत जानकी दास, अशोक सिंहल वार्ड के पार्षद अंकित त्रिपाठी समेत अन्य संत–महंत एवं मंदिर से जुड़े हुए भक्तगण उपस्थित रहे।

घर के बाहर खेल रहा तीन साल का मासूम नाले में गिरा, मौत

संवाददाता–बहराइच। हरदी थाना क्षेत्र के पंचायत जोत चांदपारा के मजरा जोतपुर निवासी राजीव कुमार का तीन वर्षीय पुत्र दिवाकर शनिवार को घर के बाहर बने नाले में गिर गया। जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। जब काफी देर बीतने के बाद भी वह नहीं दिखा तो परिजनों ने खोजबीन की। उसका शव घर के बाहर बने नाले में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और नायब तहसीलदार ने जांच कर घटना की जानकारी ली। जोतपुर गांव निवासी तीन वर्षीय बालक की नाला में डूबकर मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह घर के बाहर खेल रहा था। खेलते समय नाला में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। वह तीन भाईयों में सबसे छोटा था। पिता पूना में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते है मासूम की मौत से परिजनों का बुरा हाल है। वहीं, सूचना पाकर पहुंची पुलिस और नायब तहसीलदार गौरीशंकर श्रीवास्तव ने परिजनों से बात कर घटना की जानकारी ली। हरदी थानाध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा का कहना है कि बालक खेलते समय नाले में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मदरसा छात्र हत्याकांड में पुलिस मिले अहम सुराग

संवाददाता–बलरामपुर। तुलसीपुर इटवा चौराहा स्थित जामिया नईमिया आवासीय मदरसा में शुक्रवार सुबह सात बजे हुई छात्र की हत्या का पुलिस अभी तक राजफास नहीं कर सकी है। मदरसा छात्र हत्याकांड को लेकर पुलिस मदरसे से सम्बन्धित कई छात्र व स्टाफ को स्टाफ को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस इस सननसी खेज हत्याकांड के खुलासे के करीब पहुंच गई है। सूत्र बताते हैं कि इस हत्याकांड में चौंकाने वाला सत्य सामने आ सकता है। हत्याकांड में मदरसे के छात्र के शामिल होने की बात भी सामने आ रही है। हॉलाकि इस बात की पुष्टि घटना के खुलासे के बाद ही हो सकती है। फिलहाल घटना के खुलासे को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। थाना कोतवाली जरवा के भगवानपुर निवासी 12 वर्षीय अयान पुत्र महफूज आलम ने इटवा चौराहा स्थित जामिया नईमिया आवासीय मदरसा में कक्षा दो का छात्र था। वह मदरसे के छात्रावास में रहता था। यह बात और थी कि जिस मदरसे में छात्र अयान की हत्या हुई है, उसकी आवासीय संचालन की मान्यता नहीं मिली है। मदरसा में आवासीय संचालन फर्जी रूप से चल रहा है। अयान के भाई फरहान ने बताया कि बड़े भाई कमरा नम्बर–15 में सोता था। फरहान ने अयान को गुरुवार रात कमरा नम्बर 12 में सोने के लिए कहा था। उसके साथ इस्माइल व वकील रात में सोये थे। सुबह उठकर देखा कि अयान की आंत बाहर पड़ी थी। किसी ने चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी थी। प्रबंधक अतहर फिरोज की सूचना पर पुलिस टीम मामले की पड़ताल करने पहुंची। कमरे में कोई खून बिखरा नहीं था। जिससे यह प्रतीत होता था कि साक्ष्य को मिटाने की भी कोशिश की गई है। एसपी समेत कई उच्चाधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया था। पुलिस टीम पिछले 24 घंटे से घटना के खुलासे को लेकर लगी हुई है। पुलिस ने घटना को लेकर मदरसे के प्रबंधक, संचालक सहित अयान के साथ कमरे में सोए छात्रों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया है। शनिवार को सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को घटना से सम्बन्धित कई अहम सबूत मिले हैं। उम्मीद की जा रही है कि रविवार को पुलिस इस सननीखेज वारदात का खुलासा कर दे। इसमें सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर मिली है वह यह है कि अयान हत्याकांड में मदरसे का कोई छात्र भी शामिल हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह अपने आप में बड़ी बात होगी।

सिपाही ने की खुदकुशी, किराए के कमरे में फंदे से लटका मिला शव

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के बड़हलगंज थाने तैनात एक सिपाही की फंदे से लटकी हुई लाश मिली है। उसने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। मृतक अरुण कुमार (26) बलिया जिले का रहने वाला था। यहां उसकी पहली पोस्टिंग थी। अरुण थाने के पास ही यहीं किराए का कमरा लेकर रहता था। गुरुवार को सिपाही थाने पर यह कहकर निकला था कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है, मैं घर जा रहा हूं। तभी से वह ड्यूटी पर नहीं आया।

शनिवार को बड़हलगंज इलाके के सिधुआपार स्थित उसके किराए के कमरे से अचानक तेज बदबू आने लगी। मकान मालिक रूदल यादव ने आवाज लगाई लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद शक होने पर उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। आशंका है कि उसने गुरुवार को ही सुसाइड कर लिया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो सिपाही अरुण का शव कुंडी से लटका हुआ मिला। उसने गमछा से फंदा लगाया हुआ था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने मृतक सिपाही के घर वालों को इसकी सूचना दे दी है। एसपी साउथ जितेंद्र कुमार ने बताया, मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल सुसाइड की वजह पता नहीं चल सकी है। दरअसल, बलिया जिले के उभांव इलाके के भोजउपुर गांव के रहने वाले वीर बहादुर के बेटे अरूण कुमार यूपी पुलिस में कांस्टेबल था। अरुण जून 2023 में बड़हलगंज थाने पर तैनात हुआ था। यहां पोस्टिंग के बाद वो सिधुआपार स्थित रूदल यादव के मकान में किराए पर रहता था। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को थाने पर ड्यूटी करने के बाद अरुण ने कहा, मेरी तबीयत ठीक नहीं है, मैं रूम पर जा रहा हूं। जरूरत पड़ेगी तो आ जाऊंगा। यह कहते हुए वो घर चला गया और शुक्रवार को भी ड्यूटी पर नहीं पहुंचा। शनिवार की सुबह उसका शव फंदे से कमरे में लटका हुआ मिला। मकान मालिक की सूचना पर सीओ रत्नेश्वर सिंह, थाना प्रभारी चंद्रभान सिंह फारेंसिक टीम के साथ पहुंचे और मामले की त्रकर जांच पड़ताल किए, लेकिन फिलहाल सुसाइड की वजह पता नहीं चल सकी है।

अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। जिला कांग्रेस कमेटी गोरखपुर जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान के नेतृत्व में मोहद्दीपुर में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मुख्य अभियंता कार्यालय पर शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। बिजली कटौती के विरोध में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन मुख्य अभियंता कार्यालय में सौंपा गया। प्रदर्शन कारियों का नेतृत्व कर रही निर्मला पासवान ने आरोप लगाया कि बिजली कटौती से किसान, मजदूर, नौजवान सभी त्रस्त है। नियमित बिजली नहीं मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में किसान भाई खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे। वहीं, बिजली कटौदी से पूरा शहर नींद भर सो नहीं पा रहा है। छात्रों का पठन पाठन बाधित हो जा रहा है। भीषण गर्मी में यह अनियमित और अघोषित कटौती ने लोगों की दिनचर्चा को बिगाड़ के रख दिया है। राज्यपाल से मांग किया कि जनपद में बिजली की व्यवस्था सुचारू कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं विभाग को निर्देशित करें। प्रदर्शन में अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव संदीप गोरखपुरी, सत्येंद्र कुमार निषाद, अनुराग पाण्डेय, प्रवीण पासवान, निर्मला गुप्ता, तौकीर आलम, अनिल सोनकर, एसपी सिंह, राजकुमार यादव ,अली हुसैन मुन्ना तिवारी, राम नगीना साहनी, विजय राय, आकाश मिश्रा, सेवाती देवी, आचार्य शंकर प्रसाद, रामस्वरूप सांवरा, साहिल विक्रम तिवारी सुमित पाण्डेय, सोनू पंकज पासवान, सूरज यादव अंकित पाण्डेय, कांति देवी, सरोजिनी ,महेंद्र मिश्रा ,धीरज पाण्डेय, जितेंद्र विश्वकर्मा, अनिरुद्ध यादव, समीर खान ओमेन्द्र पाण्डेय, सतीश एडवोकेट ,अभयानंद द्विवेदी नागेंद्र द्विवेदी, सुरेंद्र कुमार, सच्चिदानंद त्रिपाठी,राम समूझ सांवरा, इरफान समेत अन्य उपस्थित रहे।

लापता मासूम बच्ची का चौथे दिन मिला शव

संवाददाता–अयोध्या। मवई थाना क्षेत्र के कोंडरा गांव में लापता मासूम दलित बच्ची का आज चौथे दिन सुराग लग गया ।बच्ची का शव घर के सामने बनी आरसीसी नाली के अंदर से बरामद हुआ है ।पुलिस नाली तोड़वाकर शव निकालने के प्रयास में जुटी हुई है।

बताते चले कि मंगलवार की देर रात्रि उमस भरी गर्मी के चलतेकुंडरा गांव निवासी विश्राम पत्नी संगीता अपनी 12 दिन पूर्व जन्मी कन्या के साथ 3 वर्षीय मासूम बेटी ज्योति को लेकर छत पर सो रही थी ।घर के बाहर अपने बेटे के साथ पिता विश्राम रावत सो रहा था ।बुधवार की सुबह करीब 4 बजे जब पत्नी की नींद खुली तो देखी उसकी बेटी ज्योति चारपाई से गायब है ।परिजनों ने उसकी खूब तलाश की ।बेटी का कहीं पता न चलने से दुखी पिता विश्राम ने थाने में तहरीर देते हुए गुमशुदगी दर्ज कराई ।मामले को गंभीरता से लेते हुए सीओ आशीष निगम एसओ संदीप त्रिपाठी मय दल–बल के साथ गांव पहुंचकर परिजनों से बातचीत कर मासूम ज्योति की तलाश में जुट गए ।तीन दिन पुलिस लगातार प्रयास करती रही,लेकिन मासूम ज्योति का कहीं सुराग नही लगा ।आज शनिवार को पुनः एसओ संदीप त्रिपाठी की मौजूदगी में पुलिस कर्मियों की टीम घर के आस–पास खोजबीन करने लगे ।तभी पुलिस कर्मियों को नाली से कुछ दुर्गंध महसूस हुआ ।पुलिस वालों ने तत्काल ग्राम प्रधान अवधेश यादव से बात की और थानाध्यक्ष संदीप त्रिपाठी की मौजूदगी में ग्राम प्रधान लेबर लगा कर नाली को तोड़वाना शुरू किए ।थोड़ी नाली तोड़ने पर बन्द नाली के अंदर बच्ची का शव दिखाई पड़ रहा ।एसओ संदीप त्रिपाठी ने बताया काफी प्रयास के बाद आज चौथे दिन बच्ची का शव उसी के घर के समीप आरसीसी नाली से बरामद हुआ है ।नाली को तोड़वाया जा रहा है ।टूटने के बाद शव को पोस्मार्टम के लिए भेज अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

पीड़िता के परिजनों से मिले मंत्री संजय निषाद, मीडिया से बात कर रो पड़े

संवाददाता–अयोध्या। नाबालिग बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म मामले में यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने शनिवार को जिला महिला अस्पताल में पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। बाहर निकल कर मीडिया से बात कर वह परिजनों का हाल बताते हुए रो पड़े। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने आरोपियों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई कर निषाद समाज को न्याय दिलाने का काम किया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि उनका पीडीए का साथ देने का फॉर्मूला सिर्फ एक दिखावा है। अब तक उन्होंने इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है और न ही आरोपी नेता को पार्टी से निकाला है। वहीं, शनिवार सुबह ही प्रशासन की टीम आरोपी सपा नेता मोईद खान की बेकरी ढहाने बुलडोजर लेकर पहुंच गई है। बेकरी का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक्शन में आने के बाद बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी मोईद खान की बेकरी पर शनिवार को सहायक खाद्य आयुक्त मानिकचंद सिंह ने छापामारी की कार्रवाई की। इस दौरान बेकरी में बन रहे खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। इसके बाद बेकरी को सील कर दिया गया है। सहायक आयुक्त मानिक चंद ने बताया कि बेकरी का लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

हरित क्षेत्र घोषित सिंघड़िया–झारखण्डी वासियों को अब मुख्यमंत्री से आस

संवाददाता–गोरखपुर। सिंघड़िया एवं झारखण्डी टूकड़ा नम्बर दो में आबादी तकरीबन 10 कॉलोनियों के 3000 मकान की 50 हजार आबादी संकट में है। गोरखपुर महायोजना 2031 पुनरीक्षित में उन्हें उम्मीद थी कि हरित क्षेत्र के बजाए इन कॉलोनियों का आवासीय घोषित कर दिया जाएगा। लेकिन लागू हो चुकी महायोजना में यह क्षेत्र हरित क्षेत्र घोषित है। ऐसे में अब यहां के निवासियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ही उम्मीद दिखाई दे रही है। शनिवार को काफी संख्या में लोगों ने गोरखनाथ मंदिर पहुंच कर कार्यालय प्रबंधक द्वारिका तिवारी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात का वक्त मांगा। कहा कि उन्हें जब भी बुलाया जाएगा प्रतिनिधि मण्डल के साथ मिलने आ जाएंगे।

गोरखनाथ मंदिर पहुंचे सेवानिवृत कैप्टन भरत सिंह, सुबेदार मेजर युगल प्रसाद, कैप्टन हरिवंश सिंह, नीलम मिश्रा, नायक ओम प्रकाश सिंह, कामेश्वर सिंह, विजय शंकर उपाध्याय, सुबेदार राम नारायण यादव, एनपी यादव, मनदेव सिंह, अरुण कुमार उपाध्याय, राजा यादव ने बताया कि महायोजना में हरित क्षेत्र घोषित होने से उनके तीन हजार घरों पर संकट है। गोरखपुर विकास प्राधिकरण जब महायोजना 2031 पर आपत्तियां और सुझाव ले रहा था, हजारों की संख्या में आदर्शनगर, सिंघड़िया, गैस गोदाम गली, सरवन नगर, साई धाम, स्वर्ण सिटी, वसुंधरा नगर, प्रज्ञापुरम समेत तमाम कॉलोनियों के लोगों ने आपत्ति दर्ज कर आवासीय करने की पुरजोर मांग की थी। उन्होंने बताया कि सिंघड़ियां एवं झारखण्डी टुकड़ा नम्बर 2 में बड़ी संख्या में सेवानिवृत पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत प्रशासनिक एवं सरकारी कर्मचारियों ने आवास बनाए हैं। तकरीबन 50 साल से लोग रह रहे हैं। इन कॉलोनियों में सीवर, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट, बिजली समेत तमाम सरकारी सुविधाएं भी मिली हैं। कुछ क्षेत्रों में पीएनजी गैस पाइप लाइन भी डाल दी गई है। गोरखनाथ मंदिर जाने से पहले बड़ी संख्या में महिला और पुरुष सरवन कॉलोनी में एकत्र हुए जहां उन्होंने अपनी मांग के समर्थन में एकजुटता का प्रदर्शन किया। साल 2011 में जिला प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट को लिखित तौर पर जानकारी दी थी कि झारखण्डी टुकड़ा नम्बर 2 में हजारों की संख्या में आवास निर्मित हैं। सीलिंग के मुकदमें में सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में निर्मित आवास को ध्यान में रखते हुए सिलिंग मुक्त घोषित किया था।

पड़ोसी को सरकारी नौकरी न मिले इसलिए करा दिया कुत्ते का पोस्टमार्टम

संवाददाता–गोरखपुर। बेलीपार इलाके के एक गांव में कुत्ते की मौत की जांच में रंजिश का एक बड़ा सच सामने आया है। पट्टीदारी का भतीजा सरकारी नौकरी न पा जाए, इसके लिए एक शख्स ने कुत्ते को ढाल बना दिया है। उसने सरकारी डॉक्टर से देशी कुत्ते का पोस्टमार्टम कराया और फिर रिपोर्ट लेकर थाने पहुंच गया। बताया कि सिर में चोट से मौत हुई है और इसे पट्टीदार ने ही मारा है। कुत्ता उसका पालतू था और उसे इंसाफ चाहिए। वहीं, सरकारी नौकरी की प्रक्रिया में उलझा युवक खुद को बेगुनाह बताते हुए एसएसपी के पास पहुंच गया। उसकी मांग है कि किसी तरह से उसे बचा लिया जाए। नहीं तो करियर बर्बाद हो जाएगा। फिलहाल, समझौते की कोशिश फेल होने के बाद पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। बेलीपार के डेफरा गांव के एक परिवार की पड़ोस में रहने वाले पट्टीदार से लंबे समय से रंजिश चली आ रही है। दोनों के बीच में कई बार मुकदमे भी हो चुके हैं, लेकिन बच्चे बच जाते हैं, जिस वजह से एक बेटा एसएसबी में जवान हो गया तो दूसरा बिहार में टीचर और सबसे छोटे वाले बेटे की भी सरकारी नौकरी तय है।

बस यही बात पड़ोसी को रास नहीं आ रही है। उसकी पूरी कोशिश है कि मुकदमे में उलझाकर उसकी नौकरी को फंसा दिया जाए। इसी बीच पालतू कुत्ते की मौत हो गई। उससे इस मौके को भुनाने के लिए तत्काल सरकारी डॉक्टर से कुत्ते का पोस्टमार्टम कराया और तहरीर लेकर थाने पहुंच गया। पुलिस भी जान रही है कि साजिश करियर चौपट करने की है। इस वजह से वह जांच कर रही है। इन सब के बीच पीड़ित इंसाफ के लिए शुक्रवार को एसएसपी दफ्तर पहुंच गया था। अगर पुलिस की जांच में कुत्ते को मारने का आरोप सही मिला तो इसमें नए कानून के तहत केस दर्ज हो सकता है। इसमें पांच साल की सजा का प्रावधान हैं।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 203/2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/ सिद्धार्थनगर जिला सिद्धार्थनगर

मो0 हुसैन आदि
बनाम
बैजनाथ वरई उर्फ बैजनाथ आदि

बैजनाथ वरई उर्फ बैजनाथ उम्र लगभग 58 वर्ष पुत्र मोतीलाल निवासी ग्राम बजहा बाजार तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 15–08–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध इम्तनाई विनिर्दिष्ट के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **15–08–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 03–08–2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–16/2020

1. बनवारी उम्र करीब 75 वर्ष पुत्र नन्हकू साकिन मंझरिया तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 06–09–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 09 के 06 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
व्यवहारवाद संख्या 90/2019
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/ एफ0टी0सी0 सिद्धार्थनगर जिला सिद्धार्थनगर

राजमन आदि
बनाम
अर्जुन आदि

1. अर्जुन 2. राकेश पुत्रगण शिवदास 3. परशुराम पुत्र अधारे 4. शिव कुमार पुत्र भारत समस्त निवासीगण साकिन सेमरहना तप्पा सहिला परगना व तहसील नौगढ़ जनपद–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 13–09–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **13–09–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय संतकबीरनगर
वाद सं0–426/11/2023
थाना–बखिरा
जिला–संतकबीरनगर

शकीला खातून
बनाम
इश्तियाक अहमद

तारीख पेशी 06–08–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0

विपक्षी–इश्तियाक अहमद पुत्र इस्तेखार अहमद ग्राम व पो0 व थाना दुधारा जनपद–संतकबीरनगर

विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी.आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 08 मास के 06 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय संतकबीरनगर

अस्पताल में गश खाकर गिरे मरीज की हुई मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इटवा में शनिवार दोपहर में दवा कराने आया एक मरीज अचानक गश खाकर अस्पताल में ही गिर गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मृतक के परिवारीजन शव को लेकर घर चले गए। मौत का कारण हार्टफेल होना बताया जा रहा है। क्षेत्र के बिशुनपुर सैनी गांव निवासी राजू गुप्त (40) पुत्र राम नारायन गुप्त शनिवार को घर से इटवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वायरल फीवर आदि की दवा कराने आया था। बताया जा रहा है कि ओपीडी में डॉक्टर को दिखाने के बाद वह दवा लेने गया। दवा लेने के बाद अचानक अस्पताल में ही वह गश खाकर गिर गया। इसकी जानकारी अस्पताल कर्मियों को हुई तो पूरे अस्पताल में अफरा–तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे डॉक्टरों ने उसे चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल कर्मियों ने इसकी सूचना मृतक के परिवारीजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिवारीजन मृतक के शव को लेकर घर चले गए।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0–T202217140300413
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती निर्मला देवी उर्फ मोहना देवी
बनाम
रामदेव आदि

1. रामदेव पुत्र अवधू 2. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्यामदेव निवासी ग्राम हटवा तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 3. शब्बीर अहमद पुत्र सफीउल्लाह निवासी ग्राम मनिकौरा खुर्द तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 4. गांव पंचायत धौरूखोर द्वारा प्रधान निवासी ग्राम धौरूखोर तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–08–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
व्यवहारवाद संख्या 409/2016
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/ नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

भानप्रताप सिंह
बनाम
श्रीमती मुनेसरा

श्रीमती मुनेसरा उम्र करीब 50 साल पत्नी रामसमुझ साकिन मानपुर तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 07–08–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **07–08–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 03–08–2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती
परिवार नम्बर 520/11/2023
थाना–रूधौली
जिला–बस्ती

श्रीमती सुमन देवी आदि
बनाम
महेन्द्र कुमार

तारीख पेशी 20–09–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0

विपक्षी–महेन्द्र कुमार उम्र 34 वर्ष पुत्र रामलखन साकिन जिगिना थाना रूधौली जिला–बस्ती

विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी.आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 09 मास के 20 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

युवक-युवती ने सरयू में लगाई छलांग, युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के बारानगर गांव के पास सरयू घाट पर शनिवार की दोपहर में एक प्रेमी युगल ने नदी में छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों की सूचना पर ग्रामीणों ने युवती को बचा लिया लेकिन युवक डूब गया। ग्रामीणों ने किसी तरह उसका शव बाहर निकाला। युवक के शव के साथ युवती हॉस्पिटल में बैठी थी।

थाना क्षेत्र के सुरदापार राजा गांव निवासी 19 वर्षीय राजकेश यादव पुत्र सुरेंद्र शनिवार की सुबह नौ बजे से घर से आईटीआई में प्रवेश लेने के लिए बाइक से निकला था। दोपहर में उसके पिता को सूचना मिली कि उसका पुत्र सरयू नदी में डूब गया। घरवाले मौके पर पहुंचे तो घाट पर युवक का शव पड़ा था। एक युवती भी वहां मौजूद थी। परिवारीजन युवती को लेकर कार से सरकारी अस्पताल पहुंचे। युवती ने बताया कि वह राजकेश के बगल के गांव की रहने वाली है। उसका युवक से काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। शनिवार को युवक बंगलौर जाने वाला था इसलिए हम लोग मिलने के लिए घाट पर पहुंचे थे। घाट पर हम लोगों में बातचीत में तय हुआ कि हमारे परिवार के लोग हम लोगों की शादी नहीं होने देंगे इसलिए हम लोग डूब कर मर जाएं। सबसे पहले मैं नदी में कूदी, हमको बचाने के लिए युवक भी नदी में कूद गया। ग्रामीणों ने मुझे बचा लिया लेकिन वह डूब गया। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

दुकान में आग लगने से दो लाख का नुकसान

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के बहरामपुर धूस चौराहा पर शुक्रवार की रात में किराने की दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने से दो लाख का सामान जलकर राख हो गया। बहरामपुर चोरहिया निवासी बालकिशुन की धूस चौराहा पर किराने की दुकान है। वह शुक्रवार को रात में नौ बजे दुकान बंद करके घर चले आए थे। रात में अचानक शार्ट सर्किट से आग लगने से दुकान में रखा फ्रीज, एलईडी टीवी सहित सारा सामान जलकर राख हो गया।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com